प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति श्री परवेज मुशर्रफ द्वारा संयुक्त प्रेस वक्तव्य

दिनांक 16 सितम्बर, 2006
हवाना, क्यूबा

राष्ट्रपति जनरल मुशर्रफ और प्रधान मंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह ने भारत-पाकिस्तान संबंधों के सभी पहलुओं पर सौहार्दपूर्ण ढंग से, खुलकर और विस्तृत रूप में विचारों का आदान-प्रदान किया। बातचीत की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते हुए दोनों नेताओं ने 6 जनवरी, 2004, 24 सितम्बर, 2004, 18 अप्रैल, 2005 और 14 सितम्बर, 2005 के संयुक्त वक्तव्यों के कार्यान्वयन के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं और संकल्प को दोहराया।

दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि शांति प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए और इसकी सफलता दोनों देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए महत्व रखती है। इस संदर्भ में उन्होंने अपने विदेश सचिवों को निदेश दिया कि वे जितनी जल्दी संभव हो सके, संयुक्त बातचीत फिर से शुरू करें।

मुम्बई बम धमाकों के बाद दोनों नेताओं की यह मुलाकात थी। उन्होंने आतंकवाद की सभी तरह की कार्रवाईयों की कड़े शब्दों में निंदा की। वे इस बात पर सहमत हुए कि आतंकवाद एक ऐसी बुराई है जिससे प्रभावी ढंग से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने तय किया कि आतंकवाद विरोधी पहलों और जांचों का पता लगाने और इन पर अमल करने के लिए भारत-पाकिस्तान आतंकवाद विरोधी संस्थागत तंत्र बनाया जाए।

दोनों नेताओं ने निर्णय लिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू एवं कश्मीर मसले सहित सभी मसलों का ईमानदारी और सार्थक तरीके से शांतिपूर्वक समाधान के लिए परस्पर स्वीकार्य विकल्पों को मिलकर ढूंढ़ना जारी रखेंगे। जम्मू एवं कश्मीर के मुद्दे पर लाभप्रद चर्चा हुई।

दोनों नेताओं ने निम्नलिखित के संबंध में भी विदेश सचिवों को निदेश दियाः

संयुक्त बातचीत जारी रखने के लिए विदेश सचिव जल्दी ही नई दिल्ली में बैठक करें।

सियाचीन मुद्दे के जल्दी समाधान के लिए विचार विमर्श करें।

विशेषज्ञों को चाहिए कि वे सर क्रीक के संयुक्त सर्वेक्षण में तालमेल बिठाने पर सहमति बनाने के लिए तत्काल बैठक करें और इसमें किसी तरह का पूर्वाग्रह नहीं होना चाहिए। यह सर्वेक्षण नवम्बर, 2006 में शुरू किया जाना चाहिए। विशेषज्ञों को चाहिए कि वे समुद्री सीमा के बारे में चर्चा करें।

बस सेवाओं, क्रासिंग प्वाइंट्स और ट्रक सेवाओं सहित नियंत्रण रेखा से संबंधित विश्वास बढ़ाने के जिन उपायों पर पहले ही सहमति और समझ बन गई है, उन पर दोनों पक्ष अमल करेंगे।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने भारत के प्रधान मंत्री को पाकिस्तान आने का फिर न्यौता दिया। राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए प्रधान मंत्री ने संकेत दिया कि वे सोद्देश्यपूर्ण दौरे की प्रतीक्षा में है जिसका समय कूटनीतिक माध्यमों से तय किया जाएगा।

.....